ढीला-ढाला हाथी

कैथरीन जैक्सन
चित्रण: गुस्ताफ टेंगग्रेन

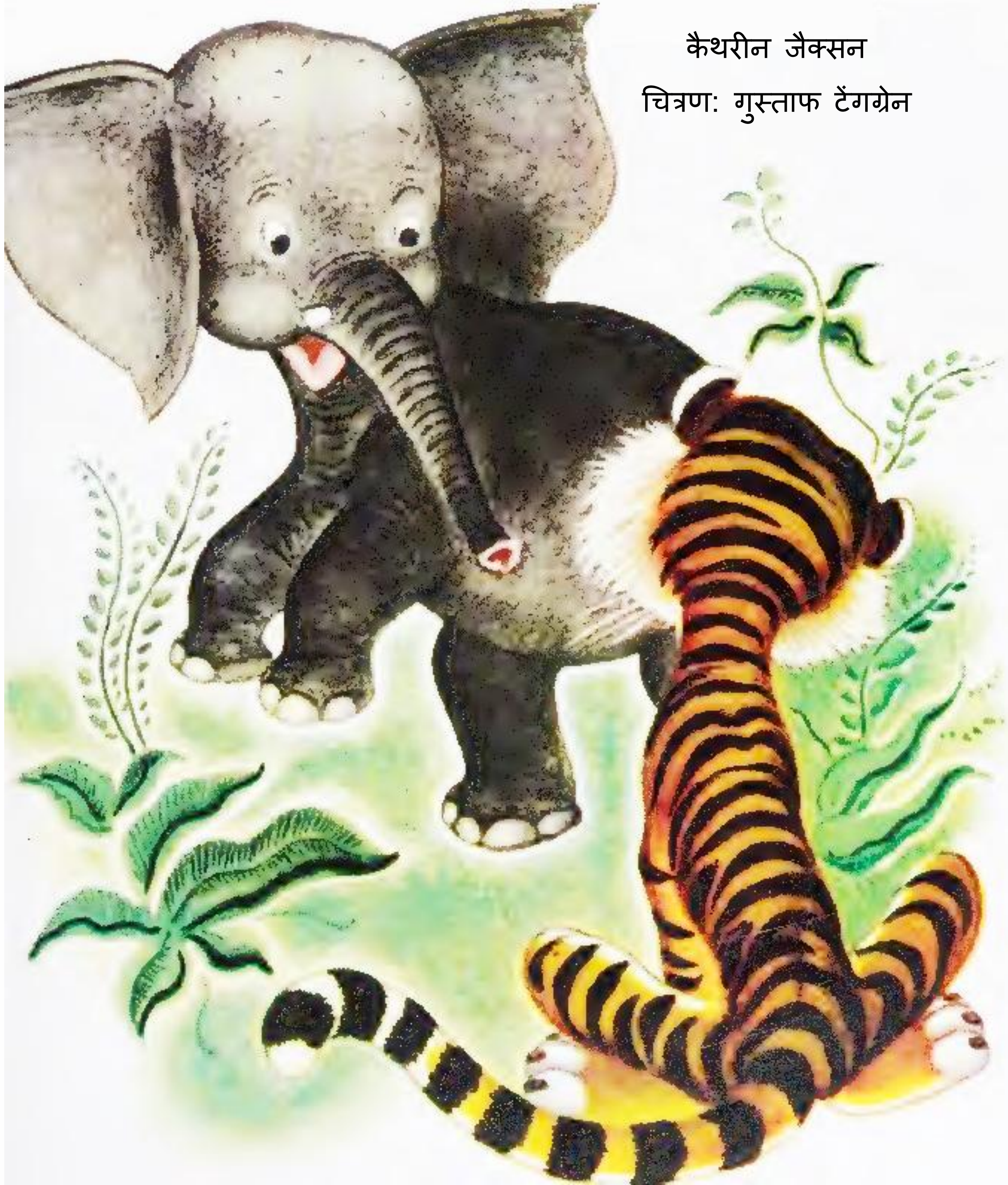

एक खुश छोटा हाथी जंगल में नाच रहा था. उसे लगा कि वो बड़ी खूबसूरती से नाच रहा था, एक-दो-तीन-किक. लेकिन जब भी वह एक-दो-तीन करता, तो उसके बड़े पैर इस तरह ज़मीन से टकराते कि पूरा जंगल हिल उठता. और जब भी वह किक करता, तो वह किसी पेड़ या झाड़ी को लात मारता और उसे तोड़कर गिरा देता.

छोटा हाथी अपने पीछे मलबा छोड़ते हुए नाचता रहा. फिर एक दिन उसकी मुलाकात एक तोते से हुई.

"तुम जंगल को इस तरह क्यों हिला रहे हो?" तोता चिल्लाया. तोते ने उससे पहले कभी हाथी नहीं देखा था. "बताओ, तुम किस तरह के जानवर हो?"

छोटा हाथी बोला, "मुझे नहीं पता कि मैं किस तरह का जानवर हूँ. लेकिन मैं जंगल में अकेला रहता हूँ. मैं नाचता हूँ और लात मारता हूँ - और मेरा नाम सूकी है. वो एक अच्छा नाम है, और वो मुझ पर एकदम फिट बैठता है, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?"

"हो सकता है," तोते ने उत्तर दिया, "लेकिन अगर ऐसा है तो यह एकमात्र ऐसी चीज़ है जो तुम्हें फिट बैठती है. वैसे तुम्हारे कान तुम्हारे लिए बहुत बड़े हैं, और तुम्हारे नाक तुम्हारे लिए बहुत बड़ी है. और तुम्हारी त्वचा तुम्हारे लिए बहुत ज़्यादा बड़ी है. तुम्हारी त्वचा एकदम ढीली-ढाली है. तुम्हें खुद को ढीला-ढाला कहना चाहिए!"

सूकी ने आह भरी. अब उसे अपने शरीर पर तमाम झुर्रियां दिखने लगीं थीं.

"मुझे खुद को सुधार कर खुशी होगी," उसने कहा, "लेकिन मुझे नहीं पता कि इसके बारे में मुझे क्या करना चाहिए?"

"मैं तुम्हें नहीं बता सकता. मैंने अपने पूरे जीवन में तुम्हारे जैसा जीव पहले कभी नहीं देखा है!" तोते ने उत्तर दिया.

छोटे हाथी ने अपनी त्वचा को चिकना करने की कोशिश की.

उसने अपनी सूंड से उसे रगड़ा. लेकिन उससे कोई फायदा नहीं हुआ.

उसने अपनी पैरों की त्वचा को ऊपर खींचा लेकिन उनमें फिर से दर्जनों झुर्रियां पड़ गईं.

उससे सूकी बहुत निराश हुआ. तोते की शरारती हंसी ने उसकी कुछ भी मदद नहीं की.

तभी एक बाघ चलता हुआ आया. वह एक सुंदर, चिकना बाघ था. उसकी त्वचा उसपर एक दस्ताने की तरह फिट थी.

सूकी उसके पास दौड़ा और बोला:

"बाघ, कृपया मुझे बताओ कि तुम्हारी तुम्हारे शरीर पर त्वचा इतनी अच्छी तरह से फिट क्यों है! तोता कहता है कि मेरी त्वचा ढीली-ढाली है और अब मैं अपनी त्वचा को भी अच्छी तरह फिट करना चाहता हूँ!"

बाघ को सूकी की परेशानियों की कोई परवाह नहीं थी. वह खुद से बहुत खुश था और अपने आपको महत्वपूर्ण महसूस कर रहा था, और उसे थोड़ी भूख भी लग रही थी.

"मेरी त्वचा हमेशा फिट थी," बाघ ने कहा. "शायद ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं बहुत व्यायाम करता हूँ. लेकिन... बाघ ने कहा, "... अगर तुम्हें व्यायाम नहीं करना चाहते हो, तो मैं तुम्हारी त्वचा के कुछ अतिरिक्त पाउंड काटकर खुशी से खा सकता हूं!"

"ओह नहीं, शुक्रिया!" सूकी चिल्लाया. "मुझे व्यायाम बहुत पसंद है! ज़रा मुझे देखो!"

फिर सूकी तब तक भागता रहा जब तक वह बाघ की पहुँच से दूर नहीं हो गया.

फिर उसने कलाबाज़ी लगाईं और अपनी पीठ के बल लुढका. वह अपने पिछले पैरों पर और अपने आगे के पैरों पर चला.

जब सूकी पानी पीने के लिए नदी की ओर गया, तो उसकी मुलाकात तोते से हुई. इस बार तोता पहले से कहीं ज़्यादा ज़ोर से हँसा.

"मैंने व्यायाम करने की कोशिश की," छोटे हाथी ने आह भरी. "अब आगे क्या करना है वो मुझे पता नहीं."

"मगरमच्छ की तरह पानी में जाकर भीगो," तोता हँसा. "हो सकता है उससे तुम्हारी त्वचा शायद कुछ सिकुड़ जाए."

उसके बाद सूकी सीधे पानी में उतरा.

लेकिन इससे पहले कि वह अपनी त्वचा को सिकोड़ने के लिए पर्याप्त समय तक भिगो पाता, एक बड़ा मगरमच्छ तैरता हुआ आया, अपने भयंकर जबड़े खोले हुए. मगरमच्छ, सूकी के कोमल कानों को बड़े लालच से देख रहा था.

छोटा हाथी किनारे पर गया और वहां से बहुत निराश होकर भागा.

"मुझे एक अंधेरी जगह में छिप जाना चाहिए जहाँ किसी को मेरी ढीली-ढाली त्वचा, झुर्रियाँ और सिलवटें दिखाई न दें," उसने कहा.

कुछ समय बाद उसे एक गहरी अंधेरी गुफा मिली. फिर एक गहरी साँस लेकर वह उसके अंदर घुसकर बैठ गया.

अचानक, उसने एक भयंकर बड़बड़ाहट और गुर्राहट सुनी. जब उसने गुफा से बाहर झाँका तो देखा कि रास्ते में एक शेर चल रहा था.

"मुझे भूख लगी है!" शेर ने दहाड़ लगाई. "मैंने आज कुछ भी नहीं खाया है. एक दुबले-पतले, हड्डीदार हिरण और एक छोटे बंदर के अलावा कुछ भी नहीं - और साथ में एक भैंस भी! और दो कछुए भी, लेकिन आप कछुओं की गिनती नहीं कर सकते. उनके कवच जिन्हें वे कपड़े के रूप में पहनते हैं उनके बीच खाने के लिए कुछ भी नहीं होता है! मुझे बेहद ज़ोर की भूख लगी है! मैं इस समय एक हाथी खा सकता हूँ!"

उसके बाद वो सीधे उस अंधेरी गुफा की ओर चलने लगा जहाँ छोटा हाथी छिपा हुआ था.

"अब मेरा अंत निश्चित है, झुर्रियाँ, ढीली-ढाली त्वचा और सब कुछ," सूकी ने सोचा, और वो एक आखिरी बार जोर से दहाड़ा!

जैसे ही उसने ऐसा किया, जंगल में भयंकर धमाकों की आवाजें गूंजने लगीं. बड़े भूरे झुर्रीदार हाथियों का एक पूरा झुंड दौड़ता हुआ आया जिन्हें देखकर बड़ा भूखा शेर तुरंत हवा में उछला, पीछे मुड़ा और जितनी तेजी से हो सकता था, अपनी दुम दबाकर भागा.

सूकी ने गुफा से बाहर झाँका और सभी बड़े हाथी उसे देखकर मुस्कुराए. सूकी को लगा कि वे उसके द्वारा अब तक देखे गए सबसे सुंदर जीव थे.

“काश मैं भी बिल्कुल आपके जैसा दिखता,” सूकी ने कहा. “तुम बिल्कुल वैसे ही दिखते हो,” बड़े हाथियों ने मुस्कुराते हुए कहा. “तुम एक बिल्कुल शानदार छोटे हाथी हो!”

और इससे सूकी इतना खुश हुआ कि वह जंगल में एक-दो-तीन-किक नाचने लगा, उसके पीछे सभी बड़े, बहादुर, दोस्ताना हाथी थे. शरारती तोता उन्हें नाचते हुए देख रहा था. लेकिन इस बार वह बिलकुल भी नहीं हँसा, यहाँ तक कि वो खुद पर भी नहीं हंसा.

समाप्त